नि:शुल्क पाठ्यपुस्तकों की कमी के कारण

विद्यार्थियों पर गहराया संकट

20 प्रतिशत छात्रों को नहीं मिला है लाभ

प्रतिनिधि/ प्रतिदिन अखबार
अकोला, 14 जून- राज्य सरकार की निःशुल्क पाठ्यपुस्तक योजना के तहत अकोला जिले में आवश्यक संख्या से कम पाठ्यपुस्तकें प्राप्त होने का मामला सामने आया है. शिक्षा विभाग से मिली जानकारी के अनुसार जिले के विद्यार्थियों के लिए जितनी पुस्तकों की आवश्यकता है, उसके मुकाबले केवल लगभग 80 प्रतिशत पाठ्यपुस्तकें ही उपलब्ध कराई गई हैं, ऐसे में नए शैक्षणिक सत्र की शुरूआत में ही हजारों विद्यार्थियों को किताबों के अभाव का सामना करना पड़ सकता है. सरकार की इस योजना का मुख्य

उद्देश्य शैक्षणिक वर्ष शुरू होते ही प्रत्येक विद्यार्थी के हाथ में समय पर पाठ्यपुस्तक पहुंचाना है, ताकि उनकी पढ़ाई बिना किसी बाधा के प्रारंभ हो सके. हालांकि इस वर्ष पाठ्यपुस्तकों की कमी के कारण अनेक विद्यार्थियों के सामने परेशानी खड़ी हो गई है. निःशुल्क पुस्तक योजना अधूरी- विशेष रूप से आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के बच्चों के लिए बाजार से किताबें खरीदना आसान नहीं है, जिससे उनकी पढ़ाई प्रभावित होने की आशंका जताई जा रही है.

इस विषय को लेकर पहले ही भाजपा ओबीसी मोर्चा के जिला अध्यक्ष मनीष गावंडे ने सरकार और प्रशासन का ध्यान आकर्षित किया था. अधिकारियों पर भ्रामक रिपोर्ट देने की बात- जिले में पाठ्यपुस्तकों की संभावित कमी की जानकारी संबंधित अधिकारियों को दी थी तथा समय रहते पर्याप्त पुस्तकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने की मांग की थी।अधिकारियों पर भ्रामक रिपोर्ट देने का आरोपमनीष गावंडे ने आरोप लगाया कि संबंधित अधिकारियों द्वारा सरकार को वास्तविक स्थिति से अलग और भ्रामक जानकारी प्रस्तुत की गई, जिसके कारण समय पर आवश्यक कदम नहीं उठाए जा सके. उन्होंने कहा कि शिक्षा जैसे महत्वपूर्ण विषय में किसी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जा सकती और विद्यार्थियों के भविष्य के साथ खिलवाड़ नहीं होना चाहिए.

साइबर ठगों का अपनाया नया पैंतरा

डिजिटल केंद्र संचालक को लगाया 60,000 का चूना

बैंक खाता भी हुआ फ्रीज

प्रतिनिधि/ प्रतिदिन अखबार
अकोला, 14 जून-साइबर अपराधियों ने अब आम जनता को लूटने के लिए हर दिन नए-नए हथकंडे अपनाना शुरू कर दिया है, ऐसा ही एक बेहद चौंकाने वाला और आंखें खोलने वाला मामला अकोला में सामने आया है, जहां एक डिजिटल केंद्र (कस्टमर सर्विस सेंटर) संचालक को विश्वास में लेकर हजारों रुपए का चूना लगाया गया. इस नई साइबर धोखाधड़ी के कारण डिजिटल लेनदेन करने वाले और केंद्र चलाने वाले व्यवसायियों में भारी चिंता का माहौल है. पीड़ित केंद्र संचालक ने इस धोखाधड़ी के खिलाफ तुरंत पुलिस का रुख करते हुए लिखित शिकायत दर्ज कराई है.

यह पूरी घटना शिवनगर इलाके में रहने वाले सुरेंद्र किशोर चोखट के साथ हुई, वह बालापुर रोड, पुराना शहर इलाके में 'रुद्रा मनी ट्रांसफर एंड जेरॉक्स एंड कोल्ड ड्रिंक' नाम से अपना ग्राहक सेवा केंद्र चलाते हैं. बीती 9 जून की शाम को दो युवक उनके केंद्र पर पैसे निकालने के बहाने आए, जिनमें से एक ने अपना नाम ऋषिकेश गजानन इंगले बताया. शुरूआत में केंद्र संचालक का विश्वास जीतने के लिए उन्होंने क्यूआर (दफ) कोड का उपयोग करके केवल 1 रुपया भेजा. विश्वास हो जाने के बाद, उन्होंने पहले 6,000 ट्रांसफर करने की बात कही, लेकिन वास्तव में इसके बाद डिजिटल माध्यम से 59,999 रुपए भेजने का नाटक किया और केंद्र संचालक से कुल 60,000 नकद अपने हाथ में ले लिए. पैसे कैश देते समय केंद्र संचालक सुरेंद्र चोखट को थोड़ा संदेह हुआ था, इसलिए सावधानी के तौर पर उन्होंने पैसे ले जाने वाले युवक का पहचान पत्र लिया, उसकी फोटोकॉपी करवाई और उस पर उसके हस्ताक्षर भी ले लिए, अगले दिन जब उनके बैंक खाते में वह राशि जमा दिखाई दी, तो शुरूआत में सब कुछ ठीक लगा, लेकिन असली झटका उन्हें 11 जून को लगा, जब बैंक से उन्हें एक मैसेज मिला, उस मैसेज में बताया गया था कि इस लेनदेन की राशि को 'होल्ड' यानी फ्रीज कर दिया गया है, जब चोखट ने बैंक जाकर पूछताछ की, तो पता चला कि जिस खाते से उनके पास पैसे आए थे, उस मूल खाताधारक ने साइबर पुलिस में धोखाधड़ी की शिकायत दर्ज कराई थी, जिसके कारण बैंक ने यह कार्रवाई की. साइबर ठगों की इस नई चाल के तहत अपराधियों ने किसी और से धोखाधड़ी या चोरी किए हुए पैसे केंद्र संचालक के खाते में ट्रांसफर कर दिए और बदले में उनसे बिल्कुल साफ-सुथरी सफेद नकदी ऐंठ ली. अपनी धोखाधड़ी का एहसास होते ही सुरेंद्र चोखट ने तुरंत उस युवक से संपर्क किया, जिस पर उसने पहले तो कहते हुए पल्ला झाड़ लिया कि वे पैसे उसके नहीं बल्कि उसके दोस्त के थे, जब उस दोस्त से संपर्क करने की कोशिश की गई, तो उससे संपर्क नहीं हो सका और आगे की पूछताछ में भी संबंधित युवकों से कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिला. आखिरकार, धोखाधड़ी का शिकार होने की पुष्टि होने के बाद सुरेंद्र चोखट ने साइबर सेल और पुराना शहर पुलिस स्टेशन में जाकर मामले की शिकायत दर्ज कराई, जिसकी पुलिस ने जांच शुरू कर दी है.

यवतमाल विधान परिषद प्रकरण की उच्चस्तरीय जांच हो

केवल उम्मीदवार ही नहीं बल्कि सिफारिश करने वालों पर भी कार्रवाई हो- मोहम्मद आसिम अली

प्रतिनिधि/ प्रतिदिन अखबार
यवतमाल, 14 जून- नई परवाज मूवमेंट (विदर्भ) के संस्थापक अध्यक्ष एवं कांग्रेस कार्यकर्ता मोहम्मद आसिम अली ने यवतमाल, वर्धा और चंद्रपुर विधान परिषद चुनाव से जुड़े घटनाक्रमों को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को विस्तृत पत्र भेजकर उच्चस्तरीय जांच की मांग की है.अपने पत्र में मोहम्मद आसिम अली ने कहा है कि यवतमाल विधान परिषद चुनाव में कांग्रेस के आधिकारिक उम्मीदवार साहेबराव कामरे द्वारा नामांकन वापस लेने की घटना से लाखों कांग्रेस कार्यकताओं की भावनाएं आहत हुई हैं. यह केवल एक उम्मीदवार का मामला नहीं है, बल्कि पार्टी की निर्णय प्रक्रिया और उम्मीदवार चयन प्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करता है.उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस नेतृत्व केवल साहेबराव कामरे पर कार्रवाई कर अपनी जिम्मेदारी पूरी हुई मानकर न बैठें. असली सवाल यह है कि उन्हें टिकट किसने दिलवाया, उनकी सिफारिश किसने की और पार्टी नेतृत्व तक उनका नाम किसके माध्यम से पहुंचा. इस पूरी प्रक्रिया में शामिल नेताओं और पदाधिकारियों की भूमिका की भी जांच होनी चाहिए.मोहम्मद आसिम अली ने मांग की है कि महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी उन सभी नेताओं और पदाधिकारियों के नाम सार्वजनिक करे, जिनकी सिफारिश पर उम्मीदवार को टिकट दिया गया था. साथ ही जांच में दोषी पाए जाने वाले सभी व्यक्तियों के खिलाफ कड़ी संगठनात्मक कार्रवाई की जाए.

उन्होंने कहा कि यदि ऐसा नहीं किया गया तो भविष्य में भी इस प्रकार की घटनाएं दोहराई जाती रहेंगी और इसका नुकसान ईमानदार कार्यकताओं को उठाना पड़ेगा.

उन्होंने कहा कि राहुल गांधी देशभर में संविधान, सामाजिक न्याय, बेरोजगारी, किसानों, युवाओं और आम जनता के मुद्दों पर संघर्ष कर रहे हैं. ऐसे समय में यदि कुछ स्वार्थी लोग अपने राजनीतिक और आर्थिक हितों के लिए पार्टी की छवि को नुकसान पहुंचा रहे हैं, तो उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई होना आवश्यक है.आसिम अली ने कहा कि आज कांग्रेस के अनेक कार्यकताओं का मनोबल गिरा हुआ है. वर्षों तक पार्टी के लिए संघर्ष करने वाले कार्यकर्ता को निर्णय प्रक्रिया में उचित स्थान नहीं मिल रहा है. इसलिए संगठन में पारदर्शिता, जवाबदेही और उत्तरदायित्व सुनिश्चित करना समय की मांग है. उन्होंने यवतमाल जिले के सभी कांग्रेस समर्थकों, राहुल गांधी की विचारधारा में विश्वास रखने वाले युवाओं, महिलाओं, सामाजिक कार्यकर्ता और किसी भी गुटबाजी से दूर ईमानदार कांग्रेस कार्यकताओं से एकजुट होने का आह्वान किया. उन्होंने कहा कि यह संघर्ष किसी व्यक्ति विशेष के खिलाफ नहीं, बल्कि कांग्रेस संगठन को मजबूत बनाने और कार्यकताओं के सम्मान की रक्षा के लिए है.

मोहम्मद आसिम अली ने यह भी कहा कि पार्टी में लंबे समय से विभिन्न पदों पर कार्यरत वरिष्ठ नेताओं को अब मार्गदर्शक की भूमिका निभानी चाहिए और संगठन में नई पीढ़ी को अवसर दिया जाना चाहिए. उनके अनुसार अनुभवी नेताओं का मार्गदर्शन महत्वपूर्ण है, लेकिन संगठन को मजबूत बनाने के लिए नए और ऊर्जावान नेतृत्व का उभरना भी आवश्यक है.

उन्होंने राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे से आग्रह किया कि वे वरिष्ठ नेताओं की एक स्वतंत्र जांच समिति गठित कर पूरे मामले की गहन जांच कराएं, कार्यकताओं की राय जानें, जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई करें और कांग्रेस के समर्पित कार्यकताओं का विश्वास पुनः स्थापित करें.

पोही जलकुंभ मामले की सुध ली गई

मरम्मत कार्य शुरू, लेकिन गुणवत्ता पर सवाल बरकरार

संवाददाता,प्रतिदिन अखबार
परतवाड़ा, 14 जून- अचलपुर तहसील के पोही गांव में सापन जलापूर्ति योजना के तहत बनाई गई पानी की टंकी में हो रहे रिसाव के मामले का आखिरकार महाराष्ट्र जीवन प्राधिकरण ने संज्ञान लिया गया.

अधिकारियों ने संबंधित ठेकेदार के साथ घटनास्थल का निरीक्षण किया और रिसाव वाले स्थान पर अस्थायी मरम्मत कार्य शुरू किया है. साथ ही, घटिया गुणवत्ता वाली लोहे की छड़ों को बदलने का काम भी हाथ में लिया गया है. हालांकि, इस कार्रवाई के बावजूद पूरे निर्माण की गुणवत्ता को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं, जिससे ग्रामीणों में नाराजगी है. ग्रामीणों का कहना है कि टंकी निर्माण की शुरूआत से ही काम की गुणवत्ता पर संदेह था.

अब टंकी पूरी होने से पहले ही रिसाव शुरू होने से भ्रष्टाचार उजागर हो गया है. ग्रामीणों का मानना है कि इतनी जल्दी टंकी में दरारें आना और रिसाव होना बेहद गंभीर मामला है, जिससे भविष्य में टंकी की मजबूती पर बड़ा सवालिया निशान लग गया

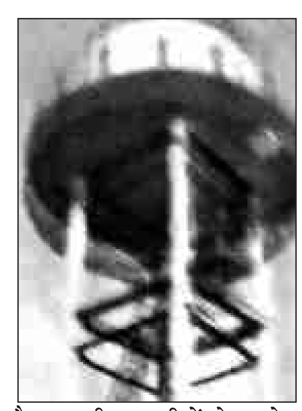

है. इस बीच, ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि महाराष्ट्र जीवन प्राधिकरण द्वारा की जा रही यह मरम्मत केवल एक अस्थायी उपाय है. स्थानीय लोगों का सवाल है कि आज मरम्मत कर दी गई, लेकिन अगर कल फिर रिसाव हुआ तो जिम्मेदार कौन होगा? इसलिए, ग्रामीण मांग कर रहे हैं कि पूरे निर्माण कार्य की एक स्वतंत्र गुणवत्ता नियंत्रण समिति से गहन जांच कराई जाए. साथ ही, दोषी ठेकेदार और संबंधित इंजीनियरों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए और दोबारा गुणवत्तापूर्ण कार्य सुनिश्चित किया जाए.

अधिक मास पर 'सन्मान लेकींचा' कार्यक्रम

संवाददाता/प्रतिदिन अखबार
दर्यापुर, 14 जून- अधिक मास के अवसर पर नीलकंठ पाटिल, किरण पाटिल, मोहन टेकाडे के सामाजिक दायित्व की भावना के अनुरुप 'सन्मान लेकींचा' कार्यक्रम हाल ही में दयार्पुर-मुर्तिजापुर रोड पर स्थित इच्छापूर्ति मंदिर में संपन्न हुआ. इस कार्यक्रम में गणेशपुर, नरदोडा इसी प्रकार पंचक्रोशी की 500 से अधिक महिलाओं का यथोचित सम्मान किया गया. कार्यक्रम की सफलतार्थ जीवन टेकाडे, अभिजीत पाटिल, नारायण पाटिल, सागर गावंडे आदि सहित उपस्थित सभी एसटी महामंडल के कर्मचारियों ने अथक प्रयास किए. प्रस्तावना प्रवीण खडसे ने तथा आभार प्रदर्शन मोहन पाटिल ने किया. महिलाओं ने 'सन्मान लेकींचा' कार्यक्रम के बदले आयोजकों के प्रति आभार व्यक्त किया.

नरेश धवने का निधन

संवाददाता/प्रतिदिन अखबार
कु-हा, 14 जून- तिवसा तहसील के मारडा निवासी, पूर्व सरपंच सुरेश धवने के छोटे भाई नरेश मारोतराव धवने (52) का 13 जून को अल्प बीमारी में निधन हो गया. उनके पश्चात पत्नी, दो भाई, एक पुत्र, एक पुत्री सहित भरापूरा परिवार शोकाकुल छोड़ गए हैं.

किसानों के वाहनों पर रेडियम लगाया जाए

अकोला ट्रक वेल्फेयर एसो. ने जिलाधिकारी को सौपा ज्ञापन

प्रतिनिधि/ प्रतिदिन अखबार
अकोला, 14 जून- कृषि कामकाज करने हेतु किसानों के ट्रैक्टर ट्रॉली आदी वाहनों का दिन रात रास्तों पर आवगमन शुरू है. ऐसे में रात के समय में सामने से वाहनों का किसानों के वाहन पर रेडियम न होने से हादसा हो जाता है और जान व माल का नुकसान होते रहता है. इसलिये संबंधित विभाग से किसानों ट्रैक्टर, ट्रॉली आदि कृषि संबंधी वाहनों पर रेडियम लगाने की मांग अकोला डिस्ट्रिक्ट ट्रक ओनर वेल्फेअर एसोसिएशन ने जिलाधिकारी को एक ज्ञापन सौंपकर की है. उल्लेखनीय है कि मानसून का मौसम शुरू हो गया है एवं खेतों में बुवाई के काम तेज चल रहे हैं. ऐसें में रात के समय कृषि सामग्री से लदे वाहनों की रास्ते पर भीड़ दिखाई दे रही है. रात के समय में ये वाहन बिना लाईट के चलते हैं. इसके साथ ही इन वाहनों पर रेडियम की पट्टियां भी नहीं लगे होने के कारण सामने से आ रहे वाहन चालकों को ये वाहन दिखाई नहीं देने के कारण बड़े हादसे की संभावना बनी रहती है. इसलिए संबंधित विभाग से किसानों के ट्रैक्टर, ट्रॉली व कृषि विषयक वाहनों पर रेडियम लगाकर दुर्घटना रोकने का आवाहन इस ज्ञापन के द्वारा किया गया है. ज्ञापन पर एसोसिएशन के अध्यक्ष व रेणुका ट्रान्सपोर्ट के संचालक सुभाष भट्टड, सचिव अब्दुल वसीम उर्फ राजू , बालाजी ट्रान्सपोर्ट संचालक राजू शर्मा बालाजी आदि के दस्तखत हैं. ज्ञापन की प्रतियां पुलिस अधीक्षक, उप प्रादेशिक परिवहन अधिकारी, यातायात पुलिस निरीक्षक आदि को भी भेजी गई हैं.

विश्व नेत्रदान दिवस पर जागरूकता रैली निकाली गई

नेशनल एसो. फॉर द ब्लाइंड जिला शाखा बुलढाणा का आयोजन

प्रतिनिधि/ प्रतिदिन अखबार
बुलढाणा, 14 जून-नेशनल एसोसिएशन फॉर द ब्लाइंड (राष्ट्रीय अंध कल्याण संघ) जिला शाखा बुलढाणा द्वारा अध्यक्ष राधेश्याम चांडक के मार्गदर्शन में, बुलढाणा ऑफ्थैल्मिक सर्जन सोसाइटी तथा विदर्भ ऑफ्थैल्मिक सोसाइटी के संयुक्त तत्वावधान में बुधवार, 10 जून 2026 को ₹नेत्रदान जीवनदान₹ जनजागरूकता रैली का आयोजन किया गया.प्रातः 9 बजे छत्रपति शिवाजी महाराज स्मारक, संगम चौक, बुलढाणा से जिला शल्य चिकित्सक डॉ. दत्तात्रय बिराजदार ने हरी झंडी दिखाकर रैली को रवाना किया. रैली संगम चौक से जयस्तंभ चौक मार्ग होते हुए निकाली गई. इसमें सामान्य अस्पताल नर्सिंग स्कूल एवं वसंतप्रभा नर्सिंग कॉलेज के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया.रैली के दौरान नेत्रदान विषयक संदेशों वाले फलक प्रदर्शित किए गए तथा ₹नेत्रदान श्रेष्ठदान₹, ₹मरणोपरांत नेत्रदान करें₹ जैसे

जनजागृति नारे लगाए गए. इससे पूरे क्षेत्र में जागरूकता का वातावरण निर्मित हुआ. इस पहल की विभिन्न स्तरों पर सराहना की जा रही है.

रैली का समापन नेशनल एसोसिएशन फॉर द ब्लाइंड के कार्यालय, गांधी भवन, जयस्तंभ चौक, बुलढाणा में हुआ.

इस अवसर पर रैली में शामिल सभी प्रतिभागियों को संस्था की ओर से फल एवं कोल्ड ड्रिंक वितरित किए गए.कार्यक्रम में बुलढाणा के थाना प्रभारी संग्राम पाटील ने नेत्रदान के महत्व पर प्रकाश डाला. डॉ. जोशी एवं डॉ. शोन चिंचोले ने भी नेत्रदान जनजागरूकता विषय पर संक्षिप्त जानकारी दी.संस्था के सचिव एवं वरिष्ठ नेत्र विशेषज्ञ डॉ. वसंतराव चिंचोले ने अपने संबोधन में कहा कि कॉर्नियल अंधत्व के कारण अनेक मरीजों को जीवनभर कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है, इससे उनका आत्मविश्वास कम होता है और उनकी आजीविका भी प्रभावित होती है. उन्होंने बताया कि नेत्रदान को लेकर समाज में कई भ्रांतियां फैली हुई हैं, जैसे नेत्रदान के बाद चेहरा विकृत हो जाता है,

मृत्यु के बाद स्वर्ग का मार्ग दिखाई नहीं देता अथवा अगली पीढ़ी अंध जन्म लेती है. इन भ्रांतियों को दूर करने और लोगों को नेत्रदान के लिए प्रेरित करने हेतु इस जनजागरूकता अभियान का आयोजन किया गया.डॉ. विकास बाहेकर ने सुझाव दिया कि नेत्रदान के प्रति व्यापक जागरूकता लाने के लिए अंत्येष्टि एवं अस्थि विसर्जन जैसे अवसरों पर भी लोगों को नेत्रदान की जानकारी दी जानी चाहिए.रैली में डॉ. दत्तात्रय बिराजदार, संग्राम पाटील, डॉ. वसंतराव चिंचोले, प्रा. रामकृष्ण म्हस्के (उपाध्यक्ष, नेशनल एसोसिएशन फॉर द ब्लाइंड बुलढाणा), डॉ. शोन चिंचोले (अध्यक्ष, विदर्भ ऑफ्थैल्मिक सोसाइटी), डॉ. विकास बाहेकर, डॉ. जोशी, डॉ. रवी शिंदे, डॉ. छाजेड़, दिलीप नागरिक, मांगीलाल बुरड सहित संस्था के सदस्य एवं कर्मचारी उपस्थित थे. इसके अलावा वसंतप्रभा नर्सिंग कॉलेज के विद्यार्थी एवं शिक्षक, सामान्य अस्पताल के कर्मचारी, विद्यार्थी तथा शहर के अनेक गणमान्य नागरिक भी रैली में शामिल हुए.कार्यक्रम का संचालन प्रा. रामकृष्ण म्हस्के ने किया तथा अंत में डॉ. रवी शिंदे ने सभी उपस्थितों के प्रति आभार व्यक्त किया.

गो. से. महाविद्यालय के एनसीसी कैडेटों ने किया वृक्षारोपण

पर्यावरण दिवस पर किया गया आयोजन

संवाददाता/ प्रतिदिन अखबार
खामगांव,14 जून- विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर गो. से. विज्ञान, कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय की एनसीसी इकाई की ओर से महाविद्यालय परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम उत्साहपूर्वक आयोजित किया गया. पर्यावरण संरक्षण का संदेश देने के उद्देश्य से एनसीसी कैडेटों ने विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाकर हरित वातावरण निर्माण का संकल्प लिया. कार्यक्रम महाविद्यालय के प्राचार्य डी. एस. तलवणकर के मार्गदर्शन में तथा एनसीसी अधिकारी सुहास पिढेकर के नेतृत्व में संपन्न हुआ. इस अवसर पर कैडेटों ने वृक्षारोपण के साथ पर्यावरण संरक्षण की शपथ भी ली.

वाशिम में हल्दी को उच्चतम 21 हजार का भाव

तेजी बनी रहने पर सुधरेगी किसानों की आर्थिक स्थिति

प्रतिनिधि/प्रतिदिन अखबार
वाशिम, 14 जून- स्थानीय कृषि उपज मंडी में सोमवार को हुए व्यवहार में हल्दी के विविध प्रकारों को अच्छा भाव मिलने से हल्दी उत्पादक किसानों में संतोष दिखाई दे रहा है. विशेष रुप से हल्दी के कोच्या नामक प्रकार को प्रति क्विंटल 21 हजार रुपए तक उच्चतम भाव मिलने से किसानों को बडा दिलासा मिला है.

कृषि उपज मंडी समिति के अनुसार, हल्दी कांडी को प्रति क्विंटल 11 हजार 250 रुपए से 13 हजार 875 रुपए हल्दी गटु को 10 हजार 500 से 12 हजार 325 रुपए तथा हल्दी कोच्या प्रकार को 17 हजार 650 से 21 हजार रुपए तक भाव मिला. उपज मंडी में हल्दी की लगभग 7 हजार क्विंटल की

आवक दर्ज की गई. भारी प्रमाण में माल मंडी में पहुंचने पर भी भाव टिके रहने से हल्दी उत्पादकों को अच्छा आर्थिक लाभ होने की अपेक्षा व्यक्त की जा रही है.

इसी दौरान, गेहूं को भी संतोषजनक भाव मिले. गेहूं की बिक्री प्रति क्विंटल 2025 से 2310 रुपए के भी हुई तथा 1500 क्विंटल गेहूं की आवक दर्ज की गई. खरीफ सीजन की तैयारी के लिए निधि की आवश्यकता रहनेवाले किसानों के लिए यह भाव दिलासादायक साबित होने की बात व्यापारी और किसान कह रहे है.

मोटे अनाजों का बाजार में मात्र मिश्रित प्रतिसाद दिखाई दिया. मूंग को प्रति क्विंटल 6 हजार 120 से 6 हजार 500 रुपए तक भाव मिला तथा 350 क्विंटल मूंग की आवक दर्ज की गई. उसी प्रकार उडद को 4 हजार 550 से 6 हजार 900 रुपयों तक भाव मिले, किंतु 15 क्विंटल ही आवक मंडी में दर्ज की गई.कम आवक होने के बावजूद भी उडद के भावों में अपेक्षित वृध्दि न होने की चर्चा बाजार में शुरू थी.

फिलहाल अनेक किसान अपने पास संग्रह करके रखा गया माल बिक्री के लिए बाजार में ला रहे है तथा आगामी बारिश के सीझन के लिए खाद, बीज और कृषि कार्यों के लिए आवश्यक खर्च का नियोजन करने के लिए बाजार भावों पर बारीकी से ध्यान रख रहे है. हल्दी की तेजी कायम रहने पर जिले के हल्दी उत्पादक किसानों की आर्थिक स्थिति में सुधार होने में सहायता मिलेगी, ऐसा विश्वास जानकारों द्वारा व्यक्त किया जा रहा है. उसी प्रकार गुणवत्तापूर्ण उत्पादन को अधिक भाव मिल रहे है, जिसके कारण फसल व्यवस्थापन और उत्कृष्ट उत्पादनों पर जोर देने का आवाहन कृषि उपज मंडी समिति द्वारा किया गया है.

कोच्या हल्दी में तेजी कायम

बाजार में हल्दी की 7 हजार क्विंटल की भारी आवक दर्ज की गई. ऐसा होने पर भी हल्दी के भाव टिके रहने से किसानों को भारी आर्थिक दिलासा मिला है.

मोटे अनाजों में सम्मिश्र स्थिति

मूंग के भाव स्थिर है फिर भी, उडद की आवक लगभग 15 क्विंटल जितनी मर्यादित होने पर भी उडद के भावों में अपेक्षित वृध्दि नहीं दिखाई दी.

श्री संत वासुदेव महाराज के तीर्थक्षेत्रीय सप्ताह का समापन

भक्तों ने 7 दिन विभिन्न आयोजन में लिया भाग

संवाददाता/ प्रतिदिन अखबार
अकोट, 14 जून- श्री संत वासुदेव महाराज ज्ञानपीठ संस्था की ओर से आयोजित तीर्थक्षेत्रीय सप्ताह का समापन श्री संत एकनाथ महाराज समाधि मंदिर में श्रद्धा और उत्साह के साथ संपन्न हुआ. सप्ताह के समापन अवसर पर संस्था के अध्यक्ष वासुदेवराव महाराज महल्ले ने आयोजन की सफलता के लिए सहयोग करने वाले सभी श्रद्धालुओं, अन्नदाताओं एवं श्री संत एकनाथ महाराज संस्थान के प्रति आभार व्यक्त किया.कार्यक्रम में कीर्तनकार ज्ञानेशप्रसाद महाराज तथा सात दिनों तक ज्ञानेश्वरी और भावार्थ रामायण का निरूपण करने वाले उमेश महाराज मोहोकार का सम्मान किया गया. साथ ही संत एकनाथ महाराज के वंशज प्रमोद महाराज गोसावी की उपस्थिति कार्यक्रम का विशेष आकर्षण रही. कार्यक्रम का संचालन अंबादास महाराज मानकर ने किया. इस अवसर पर संस्था के पदाधिकारी, विश्वस्त मंडल के सदस्य तथा बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे.

हिंगणी की महिला सेवाधारी मंडली की निःस्वार्थ सेवा के लिए लता चिकटे द्वारा उनका साड़ी-चोली देकर सम्मान किया गया. सप्ताह का समापन भव्य महाप्रसाद वितरण के साथ हुआ. उपस्थित श्रद्धालुओं ने अगले वर्ष तीर्थक्षेत्रीय सप्ताह का आयोजन अयोध्या में करने की मांग भी रखी.